

[illegible][illegible]

505

二

मामिदवीथावकुविनासिनी किरुवहननखसमहाननदवीरउडि
 यातयुर्गुगिनीकामनूयशीदकशुविशुद्धमन्दलनृषयकि॥ २
 ॥वसूदलसयापूहवलधर्मवकुंषादसदलसंरोगवकुंरक्षागिंस
 नदलकमलमहासुखवकुंरुं कालनूयशीहनुकनार्थ॥ ३ वा
 दसुयिनिनविशादिकित्यादिनी थावहमृत्तधायनादनूयीर

पी०दिदहायमिसूबातयूऊनीकिनहानदायनीवीयभूमी॥ ४॥
 दर्यनयुक्तिविम्बकलकवन्धापमश्रदिनिसिहमनंनवकुंदवीरकु
 न्मरुनामापूहुरुयायसुनभङ्गकिताहनमाक्रयुदा॥ ५ वा
 गकशुदिवाखतयागिदिदविशिरुवनयायिनीरविघ्नमावइसूदत्यवि
 नासिनी॥ ६ ॥नमामिरदविशीवकुवावादि२सञ्चिसिधियाय

निरुगागजनी॥ २ ॥ पूर्वद्वयगत्यकवर्धुंगीरदुग्धभक्त
 मिनीद्वीनीलवदनी॥ ३ ॥ वायव्यमादिनिदविमितवर्धुंगीर
 पश्चिमसंवापिदिदविनीवर्धुंगीरदहा॥ ४ ॥ वनेमहसंगसिनिदवि
 तवर्धुंगीरदक्रितवन्दि काद्वीधुसवर्धुंगी॥ ५ ॥ वायव्यगुर्धुव
 काननायश्चमूडावसास्वस्ववीरुसंखनवचसदिगमला॥ ६

ॐ श्रीगणेशाय नमः
 ॥ १ ॥

॥ **स्वागतेव** विवा ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥
 जायते कपूकतावतलसूययपिगावे॥ २ ॥ वायव्यस्वादिस्व
 लिपूयः स्वयः घाटयस्विघ्नय॥ यत्रामियावसयकसालिययश्च
 हानसर्वीनता॥ ३ ॥ सर्वज्ञज्ञाकसखापुतापिगावासा
 द्यामायश्चकताकिनीश्रियञ्चममभानदुदमलिगृहं

अनीला ॥५

५॥ २ सदानपति सर्वकार्य लया सर्वशुखसम्यक्ति साकय २ ऊयेव
तयेव युऊर्थयी वर्धति प्रथमाह कर्मथये ॥ ४ ॥ समयव ऊरुदा
नपतिनः सर्वसिद्धि सयदभाक्तिन २ आसंमालगतथागतवयनसर्व
सिद्धिहंयददक्षिये ॥ ५ ॥ १ **वागयामं कलि** ॥ अनीव अनीव ॥ अनीव
शुवमा ॥ मनम सुलवकुलाया २ व ऊय ऊल सय ऊल सय विमन

अदि

म सुलवकुलाया ॥ ६ ॥ उमव ऊययिया शुव कवृषा अलिग
महलूडा ऊययिया २ व ऊवा बाहि अलिग मासमव खल यिया ॥ २
॥ शुवि संव वीम वय सं ऊहिं २ तहिं २ अषुग्म भात २ अनूह गसर्व
दव व ऊया दस दवी मिल मिमिय न सं हावे ॥ ३ ॥ शुव न
शुक्ल व क वायन रुयादा शुव न शुक्ल व विव वी वा २ शुव न न

मी

नी

एनकोवर्तु ॥ १ ॥

वता तत्र स पसा दिपु सा दिपु रु लियल उय का का ना ॥ ४ ॥ अहि
नि सि स त ग पु नू वा न तं तु ना ल रु दि ता ल हो व शू ला वे र रु न म म न धः
ए य वं ध न रु दि जा न र य मा नू शू मि य सं स व ग ॥ ५ ॥ **वा ग ना ॥** य क
व र्त्तु शि नि ला य न सू ची र शू द्वा द धा रु रु प्र ह न ध कि व द्वा ॥ ६ ॥ ए रु रु
द वी वा नू धी म हा मा म की द वी र रु ग ग य मा दि न म य न सू ना ला ॥ ७ ॥

व क

री

कु

अ ग म व द यू न न व धा न र ऊ ग ध व म दि क्रा गु नू उ य द द्वा ॥ ३ ॥
य श व र्त्तु ए नू य रु रु रु रु र स य ल म मि लि मा म्भ ह नू डो ह नू डो ॥ ४ ॥
स ग गु नू व न धा मि ले ग न ध वी या र न यि गी वा क व रु सू ना ग ल नू यि ॥ ५ ॥
वा ग ना ॥ न मा हूं शू का न ध नू य ध नू र ख रु वि स ल उ लो ध नू ॥ ६ ॥
वा ग ना हूं न मा हूं न ना न न हूं हूं हूं ॥ ७ ॥ **वा दं द अ लि ग ध ऊ ग ध नू**

एनमाहं ॥ ८ ॥

विष्णुसूक्तम्

२ वक्रोद्यं धमः प्रभुः ॥ २ ॥ धमः प्रभुः संखनयदधनः ॥ २ ॥ यदधमः साहि
यवदधमः ॥ ४ ॥ मायादेहवीनकुरुहृदयकनूभासलमहं
॥ १ ॥ **॥ रागः प्रभुः प्रभुः प्रभुः ॥** शिवकनविमसिमंदलमायहितिज्ञा
नन्दमनूतिधना २ वक्रतायादि शालिगतासुतलनालनिमसलकला
॥ ३ ॥ **॥ तनाहं २ तना तनाहं २ ॥** ५ ॥ तनालवर्धुयगुर्वकपुति

विष्णुसूक्तम्

॥ २ ॥ **॥ यो यो ४ गुरुमममनूतिधना ॥** तनालवर्धुयगुर्वकपुति
१ मूलनिनेशः यनमानन्दमनूतिधना २ वक्रतायादि शालिगतासुतलनालनिमसलकला
२ वक्रतायादि शालिगतासुतलनालनिमसलकला ॥ ३ ॥ **॥ दिगं विदिगं काका**
स्यादिकमया किनिदेवीः सहकृत्मानन्दमनूतिधना २ नसामि २ श्रीच
कसंवनसगुनूवनधजानाधिनाः ॥ ४ ॥ **॥ रागः प्रभुः प्रभुः ॥** द्वाडजा
हृदयकनविमसिमंदलमायहितिज्ञा नन्दमनूतिधना २ वक्रतायादि शालिगतासुतलनालनिमसलकला

ॐ

भूमकैटकसदिगंवला॥ ३७ ॥ यत्रयतामसमनववायासमनवदये
 मानूकालारहमविवादिनिवडवावाहिरुदमहियालतामृतावा॥
 ॥ सातिंलायनव्रंशुरुमंयनकर्यलहवयितंवालाशगगलनिलाव
 इवधिलजादाममचलहवरीता॥ ३८ ॥ शियंधउषाहृदुदिलग
 लसंवलययिसयिशुनरुकावाहमविवादिनीवडवावाहिरुदमवि

नूदममिश्रंधावा॥ ४ ॥ गडाकिलिलावकुकलिशाडलहतागुम्
 वनमजावाधरसमयाज्ञानकरुलिलालमधुलसंवलयवडवावाही॥
 ॥ रागकरुदि॥ शिरुमुकयशिशिमिदहकवाविशकमलकुलिस
 चळकनवनविस्तवा॥ ५ ॥ यागिनिहुकविनयनहैविडयिशगाला
 मरुचुमियालकमलसंधिवयि॥ २ ॥ कयद्रुयागिनिनयनजायि२

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मातृकूलवर्हिषाय अदिवानसमाने ॥ ३ ॥ सासुहृदयधामकंचियाना
 श्वन्दसूर्यदूषियन्ननरुलादा ॥ ४ ॥ हनयिगुजवीरुमकुन्दूवीनार
 नयेनेनापिमाश्रुत एयनडविवा ॥ ५ ॥ **॥ रागं ध्वजं ॥** विविहंवि
 हनयवविससिवदनरदं वासुनगक्षुवनरुदुकरुधा ॥ ६ ॥ ताव
 यिलेनमामिशीसंवलेवीमाश्वजुअगिदीपमिनेमहसुधुंगमा ॥ ७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ वक्रवाचादिजालिङ्गधक २२ ॥ जिह्वां वीर्यं ॥ १ ॥ समन्तसुखीना ॥
२ ॥ अम्बकदहनविममयसुरकनश्कवृक्षान्धलायनरक्षिणान् ॥ ३ ॥
४ ॥ दससुखः ॥ ४ ॥ विद्यावाविद्यउवदनश्नीलसंरावगगधुक् ॥ ५ ॥
॥ १ ॥ नागविद्या ॥ उदिताकनयिष्यापवनङ्गाश्च नंशुद्धदामककासनना
॥ ६ ॥ ध्यावइस्काभरवनिमंतावृताश्च अषयनिनंऊनमाङ्गयदाता ॥

स्वनिनिदिह वागजान् ॥ १२८

१ ॥ दिनकरमलमधुगता २ कनकमृगकनकशुभवकृता ॥ ३ ॥
दग्धाशूलिरुयपुक्तिनिहका २ देवासुनधनधिनमानमिता ॥ ४ ॥ गम
अंतियवनयविगुनरुगता २ वरुवावादिगुहमिलधनविधा ॥ ५ ॥
स्वनिनिदिह ॥ १ ॥ स्वनिनिदिह वामजान् २ खनकिनधमालसंगासा २ वा
गलधमालवधिलयासा ३ ॥ ४ ॥ नमामि श्री

कर
चंद्रमहापारवना जागमृगयद्वदिता २ विश्वनाथविश्वयापितविलंबि
कममहाकाधलाया ॥ २ ॥ ॥ अतिरिषनागाडर्द्धपुवंडा २ ॥ ३ ॥ लायावि
अतिकिनधः पीठिगमधनाककनधयधमवेलिसंगाभावाधरुसुनधम ॥ ३ ॥
॥ साधवमायापुनंदववक्रा २ नृदयिभावापादसारुनभासुमनसमायावा
गविमासुल्लाननायसमहिदददा ॥ ४ ॥ ॥ नलाशारुनभायकविनसोनि

अवनिनिहितज्ञान॥ १५

२ कंयवतडाप्रवृद्धमृनेकाला॥ सचतवनागादिवदितवधः नायस्यवधव
श्रववतीना॥ १ ॥ **आगकापी ५** ॥ अवनिनिहितज्ञाननीनसमदहा
२ कंकवठितयतशीषमवदना॥ ३ ॥ तनाहं तनाहं हं हं हं जातश्र
वलकाधलाया॥ १ ॥ निविदितयतश्रिसाहितमलरपासखभ
धविनिशुवननाथा॥ २ ॥ हनिहन्वकाहुन्दवउमाला २ माल

२ हं काले संज्ञान॥ १५

विघ्नशक्तिभक्त्यहन्वधः॥ ३ ॥ विविधिवलमोविलकृतदहा २ रजग
तविवाष्टितवलरुलदायकं॥ ४ ॥ **आगहंदाव** ॥ हं कावसंका
तहुन्दनीलसमश्रितिदहा॥ आज्ञानज्ञानसमदहसमाकृता॥ ५ ॥
ऊयहुश्रवलमृनेकमृतिखभयासकवधवि॥ ऊगतनाथऊगतया
नितमहाकाधवाया॥ २ ॥ अवनिनिहितवामज्ञानधालवदनति

२॥ अथ निबन्धः ॥ १॥

निबन्धना ॥ कंकनाङ्गुल्यङ्कनशृङ्गविघ्ननिहन्ता ॥ २ ॥ वल
हनिहन्ता यमानदर्यदहनशूरीना ॥ ३ ॥ विघ्नोक्तिस्तुतिवित्तनिहन्ता
॥ ४ ॥ विविधिनलारूपधरुषिकदियनलशुभोलि ॥ ५ ॥ गगनवाहिक
सर्वसम्यक्लिवलरुलदायकं ॥ ६ ॥ **॥ आर्गनवद ॥** अथ निबन्ध
नशृङ्गशून्यमगगधकमलकसाधना ॥ ७ ॥ अथ निबन्धना विनासितायशिवि

यादविषाधविन्दुसमकलित ॥ ८ ॥ नमामिनिलां निलाकल
सलवदुसुसुनधसंयायिता ॥ ९ ॥ सनदवन्दुसमगङ्गकाशित ॥ १० ॥ ननकव
न्दुसमयायिता ॥ ११ ॥ ॥ अथ गङ्गागवलसाधिवचकुवति ॥ १२ ॥ मन्मन्
उमनीता ॥ १३ ॥ निर्मन्त्रद्विषावकु ॥ १४ ॥ अथ निबन्धना ॥ १५ ॥ मयसाधना
॥ १६ ॥ ॥ अथ निबन्धना ॥ १७ ॥ विनासितायशिवि ॥ १८ ॥ अथ निबन्धना ॥ १९ ॥

मृदुमावद्वृभाम नक्षुदिनमहाशुखसूगतसंयदयायिता ॥ ४ ॥
हृदयकालवक्रगीवकसंवत्त श्रुतं कानि सिद्धायावंगता रवीरुत
दियानयर्धुगीविज्ञातंधविप्रभुमहाशुखजानहं ॥ ५ ॥

रज्योगी ॥ १ ॥

॥ १ ॥ अयं वाष्पलिहृन्डाद्यनयिरस्यनस्त्रासूत्ररुगातुधवी ॥ ६ ॥
॥ २ ॥ नृगवगियाश्रयमनमहिमंदलनजयप्रभुममूनेकानाहादं

मालाशूननयद्विगतमंषलद्यंथडवाचारिनिनिनिनिनयनिणि
निनयना ॥ २ ॥ करगिधल्यनगीववृडनमसिन्मालरकृकि
खमंगवलमकृतकंभा ॥ ३ ॥ सिलससिंधूननालकंकलरुला
२कमुलिकर्णलगांवलशुखभाथ ॥ ४ ॥ अनयिभुवकवजवा
द्विवासादगीवडदविप्रसादगीहृन्कयाया ॥ ५ ॥

रुद्रविष्णुसहस्रनाम ॥ १२

॥ ह्रीं विष्णुं संस्तुयन्मदहा नववसुधां हि सप्तनक्तनध्वनारक्षादसु
जायदवदनाद्वादसवसुधनवकनं ॥ १ ॥ ध्रुवानामाग्निगीर्वाणकुसुम
सहस्रयादिरुक्मयहननं ॥ २ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ३ ॥ विसृज्य विदुषा दवि संपूज्य कानि तस्मि
न् ॥ ४ ॥ अष्टांगुलज्जालिकालिपदाकां गात्राणि शुभनारक्षादस

२ महापुत्रयोग ॥ २

दविष्णुकृतावानामाग्निगीर्वाणकुसुम ॥ ५ ॥ सप्तगुर्वनमसिल
भार्यहनयिगीताशीवकु कलिसा दानयतिलमनाहर्वसयमन्दलः
ज्ञानाधना ॥ ६ ॥ **॥ आगल्लि ॥** महापुत्रयोगसमयावाप्ति
व ॥ ७ ॥ नैऋतदिग्दसवल ज्ञानाधियालसमयानन्दरूपतिदा ॥
८ ॥ वीरविश्ववर्धनमन्दलमाहनिविश्वरूपीयं शयहंका

रगन्धपञ्चसो॥२

शिवविद्यानन्दोक्तानपत्तिविघ्ननिवारयम् २ ॥ सिद्धिप्रोक्तं वरमा
म् कालकं हे वङ्ग कनकाचरुचिरा २ आगजागिधिमप्रियविङ्कजन
समयानन्दरवनिहा २ ॥ सिंघनादवाजियाल-दमरूपभाद
मूष्टागिधियानयन्य २ जानधनपूम्भूडाधुडालयिया कर्तुयाच
नमरवनिहा ॥ ४ ॥ **मङ्गल** ॥ गंधमन्दलमध्यवंकालसं

नमामो॥२ किनधर्म

जाताश्चिदुक्तयकमखयथिवीदवो ॥ ५ ॥ गृहहिमहादवीयधि
वीमाताश्च सर्ववत्ससंपूर्णविरुखिता २ ॥ योतवर्तुसोभ्ययिनी
दवीश्च सर्वरुयहनतीलाकसंगावनी ३ ॥ दिवालंकालरुषि
तदहाश्च हावनीयूनधाववर्तुधना ४ ॥ **मङ्गल** ॥ नमामिश्रि
नधर्मधुस्वययुश्चिदुवनशूनूरुनधर्मधुवागोस्व ॥ ५ ॥

निरुक्कलहलूडाशवविभूनेतपिडायिसंवायस ३ ॥ राधीह
 तडादियानेकलथिचलुभीरगोतभूनेहकदंमिवाकं ४ ॥
 जालिकालिशियादधनं २ ॥ वडडागिनीमंगलगी ॥ ५ ॥ राय
 यिसयिदंविनिभूदयसंरावरकदंमिकमलकुलिसंवादकं ॥ ६ ॥
 घसमोघाभीयोभीवमालीरलपनवडसमहलूडावाला ॥ ॥ ॥

रजिनावनरुननि ॥ ७ ॥

स्वागतसं ॥ १ ॥ कितवलजननियरास्वनमसिरविनासयिसमलसदंदाजालिं
 गक्ष ॥ २ ॥ निवंधुहस्त्रयशृंगानसंपूर्ण २ ॥ अक्षजालिंगमआनन्दम
 यनरा ॥ ३ ॥ वायसंरागसयनधीमयनं २ ॥ रागविनागइयिमाश्रयनिष
 क्षी ॥ ४ ॥ अरुक्कलिससंरागविमूकना २ ॥ स्वननययसूखुनदंदाजालिं
 गता ॥ ५ ॥ यदहदिहगुवनंतीकागस्यराश्चनमामिहमं ३ ॥ योजनन्दि

ता॥ ५ ॥ वाचा ॥ १ ॥ वाक्क क्षागितिहृत्तयायाश्चिदुवननाथद
दिमपानम् ॥ २ ॥ वापिवयिलमहाप्रममहासुखक्येयारवकदविविवा
मायजूनरुद्वहानम् ॥ ३ ॥ वाउर्द्धनाविप्रिलकमलसंकाशश्चदहिमवि
शमयिपवनसंकाशम् ॥ ४ ॥ वासंजयिलमहाप्रमपंचमांसश्चपंचसावि
शवीरुवाचूमीम् ॥ ५ ॥ वासकगुप्युवाचवहुभाविमकश्चासल्यविसंसा

[illegible]

॥ अथ श्रुतं ॥ वा गुरुतव तथागतं ह्येकाग्रसंज्ञं ब्रह्मव्यूहचिन्तिना

वक्रिद्यानि॥२५

निवादिता कृष्णालनडाद्रुमा देवोश्चनमाग्नि देवो ग्रीष्मवाधि गु
गुणिभूगुणिकसिद्धिकवर्जः॥ ४ ॥ वायुमात्र ॥ वक्रिद्यालिब
तालित्वभूविदेवोश्चिंघनिद्याद्यानिर्कृकडलकिनि॥ ५ ॥ न
मासीश्रीजागवलगिहानमखरीताश्चिनिषिनयदविडिरु वनययिह
२ ॥ वायुर्द्वडुरुवमश्रीमदकिनदिगंदविश्वाकिनिद्वियिनिवडमि

२५२५ कागा ॥ ३२

कंवाकनिवा ३ ॥ वहुवमावदिगहु क्ररुवमहुदवि २ ॥
 विष्णी हलुअलाया ॥ ४ ॥ हविहवुक्ताहुडजसूयगमनं
 वादमकागिधिसमयसंज्ञावे ॥ ५ ॥ वायश्चकपाला
 धाविनमोरियंवहुतयंवमूद्रारुवध २ नयधिवमायाग्रीर्वधरावा
 युवमोकारिहविगवदता ॥ ६ ॥ हंहंकावसंज्ञागवदता, यवव

धादयनीलसमदहाकाधियणीमदाकाला २ यश्चमृगवमदय्यरु
 नयिशाशयनदेवउपहववा २ ॥ यकयमोलाविधिनयताः धा
 वरुयंकवलीखमवदना २ ॥ पुकालिकापिंगलकंभी ३ लमलरुसा
 कयधमय ॥ ३ ॥ कयगिकपालाधाविनखलोंगतागारुवध
 गाकहुलहावा २ नागसिलसिधो नोयवनाग जवनाग जालयधंस

धिशा ४ ॥ ४ ॥ मज्जिमवल्गमोविधिविधमया वृद्धसासनसायक
 विवाश्यतामन्धतांदवरावासाध्याकूलिसाभूनरुनसवभा ॥ ५ ॥
 ॥ **वागवत्** ॥ १ ॥ शीहवकुनेगतादवीप्रिगुवननाथश्येवकिनया
 यितायश्ववर्षुददा ॥ २ ॥ ॥ नमामि ॥ ३ ॥ शीनयपूडाश्वेय २ ॥ हनूकशीरु
 ॥ ४ ॥ विवडागिनिधुव्याता ॥ ५ ॥ ॥ यवदिगहिहरेनवनीलवर्षुद

॥ मयिशाविष्णु मालिनाय ॥ १ ॥ मयिशा ॥ २ ॥ खवितासिमा २
 दिनयाउधविवागविंदधरा ॥ ३ ॥ ॥ यमविशेविज्ञागिनिदविशका
 उतिलिलावडा हं कानसंवडा ॥ ४ ॥ ॥ **वागवत्** ॥ ५ ॥ गऊमूखणि
 नयनितांदवपद नृणाधिपशूक्तिगलसंयमा २ ॥ मक्षिमूकावलाहवला
 म्भूमिकिनसंकासा ॥ ३ ॥ ॥ मालियामाला मालसंजासामनूअप
 मइरवतासिमा ॥ ४ ॥ ॥ यमवुवानाकूसवडाखर्गिनिधियालदाहन

कनेरमसुनधनखल्लोराखल्लयकनकिवाभ ॥ ३ ॥ विविधवस्तु कन्
 कर्हिरेभाऊताऊकमसिमंदिना ॥ २ ॥ लंभादयगपधृतनंवादनसुखा
 यलमिलिलिपिलिवाऊं ॥ ४ ॥ वलातनधतनलाकनितामयि
 कमखजगिसुधुसैराश्वीनादवातममुखदागानमसुखरगभावि
 यतिवा ॥ ५ ॥ ~~कनकवर्धुदवीडिगुवनऊतनी २ धर्म~~

कनकवर्धुदवी

मानूवलाहवसुभासोने ॥ ६ ॥ नमामिमनिविदवीसुननमदिना
 रहकलमात्रनियविघ्रदिनासिता ॥ २ ॥ विखगुहाभास्यभाहाध
 वमहिताशखगुऊगिनयनकिनिवदना ॥ ३ ॥ कसमकामधन
 कूलिसुभकारसुविसुगसर्ववासाकयसाहिता ॥ ४ ॥ वदनदहि
 नसीतवामनीकोलाया ॥ विविधनलकलवनीपकंवका ॥ ५ ॥

॥ एकवदनमलमकगजालंरुता ॥ यहुउरुखन
 प्रककसवधनूधनि ॥ ३ ॥ नमामिमश्शीपघननख
 जासयनशासासंयविपूयिगडधनिता ॥ २ ॥ ददिनगीन
 नयनिवामशामाहाकालरसगधमहुलमाष्टपुननिर्हा
 ना ॥ २ ॥ शुक्तिमुंसायनायाविश्वविद्यापिता ॥ २ ॥ मसहायव

॥ इव्याहइविमहय ॥ ४ ॥ वरुधल्लेषसादिलदासरनयि ॥ गुन
 वधमानसिधिवलयमधे ॥ ५ ॥ ॥ रागकामा ॥ ५ ॥ पुनविमहका
 ननीलवमनूनिहुन्दनीलसमजनिदहा ॥ विश्वकुल्लिरहल्लिकनधन
 लमकठकाधधिये ॥ ६ ॥ ॥ नोमिभीरुद्वीपंरुवसिंधनधनंरुवि
 सनाथगिरुवनवायिसावमादिधमनकनधनं ॥ २ ॥ ॥ जैन

॥ २ ॥

नमो विविंश्या नमो रमा अतिमवगीतयन्तुवकलिमा ॥ ५ ॥

॥ वागानन्द ॥ ॥ कमलविकासितशिलाश्वनकुम्भपीठवर्तु
समदक्षा ॥ श्वणुवदन्कुवलयद्वयघ्ननृगश्वयुकासिता ॥

॥ नमामि शंकराय सकलगुहलाय सुवगुह २ कृमिदहन
सुनवलपुदसर्गह हननिधियापिना ॥ २ वायथमकयच

[illegible]

श्वयदवं २ सिद्धो नामि वधूते देय विक्रमवाया शुवन य किंवेदा
 मानिन प्रन्ददवं ॥ २ ॥ वायिक मीविका सिनस सिद्धतावा
 धिया लताम कमल धन ह्य २ पुम म्पुम न के नाग कृष्ण दामि
 दइः खल्य ह्य म् ॥ ३ ॥ हूं हूं हूं एगवतिका या एगतिने
 ममि श्री वृग मल्ल लो क श्वयदवं २ न व द मल द व ह्य म् ॥

श्वयदवं ॥ ४ ॥ दम ह्य मि द्वा सिं स ग व ड न वा या ग ग ग ना थ
 ह्य दाना र्थी म् मि तां र व सि लं ग त ध वि या श्री वा क श्वय स व
 ना ग ति ॥ ५ ॥ **एवा ग हं व ति** ॥ कूं र नि तां ड न प र ह्य न ह्य रा व का
 का वा ड व वी ड मू ल्य न्ना श नि वा ता सि म हा ह्य रा व मा म कि डु व मू न्य
 मि त ड ड ग ति ॥ ६ ॥ वा न मा मि द वि श्री वा व्मी व सि व ड डु रि व

२ कूं र नि तां ड न प ॥ २ ॥

कमलता २ अविधसंखविनयसंखिना ३ कमलवशिवाचनोदयो ॥

२ ॥ अष्टदशशुद्धाधिककबंधकवापननकषदितिकय २
याभांकुमभत्यनधजागदावजनवमववदपथमसम ॥ ३ ॥

अथनउच्चकनरुगाकधनूवजवंधखदागकमलनरशिभुलमं
गलेवजवृनगभयतिदन्कभाकुन ॥ ३ ॥ दक्षीरकायद्वर्तवर्तुम

२३ निनि ॥

मृत्वाकालवय २ नारावशुद्धिनिसंकुलवाचनायमादविवजयव
माया ४ ॥ अष्टदश ४ ॥ द्वेविनिहमाववविवासयिकेस २

उथरादामन्दललाया ॥ ५ ॥ अङ्ककालमलेकगतिनिवासि
याले ॥ २ ॥ ॥ सर्वता ॥ अगतासांनं सर्वता ॥ अगतालयं ॥ स

वृधर्मागनीमात्मंदममन्दलंमूलम ॥ ० ॥ अमिय २ निवंकन

वा छ न ह स्य मनसा नृ सं प्र सं स य व सः कृ स्या क स्य कृ या नु
न ह स्य मनसा नृ सं प्र सं स य व ह ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

१. अनादि संज्ञा ॥ ३६

यनीपीतावाशुकिनागभञ्जरीषमायूनिगऊनदा॥ १ ॥ गद्यपक्ति
कृमावा महाकालकृष्णालकागिदिगद्यक्षरमयमानसमत्संप्रवि
धयूनीगुह्यं गुह्यं गुह्यं वक्तुम् ॥ २ ॥ कवर्गजातं नदिनिगद्यपि
प्रायपादयुवंदरेव वा नूदाय निष्ठाना नृक कनागगक्षयस्मानयूनि
निगऊनदा॥ ३ ॥ चवर्गजातं विद्वानवबूधमूलकपादयूकरे

ववाश्चन्द्रायनीकुंकुमाककानकनागमहालाकलालनादिगऊन
दा॥ ४ ॥ तवर्गजातं यच्च तस्मानेव कथाऽकपिलरेलवाश्च
वावाहिवकापयगुऊनागमकलंकरेलवावलंकऊनदा॥ ५ ॥
ठवर्गजातं कवृकाग्नोकवंकवृकाधरेववाश्च कमाचिवकासहाय
यनागमगुह्यतहासाप्रवंदऊनदा॥ ६ ॥ चवर्गजातं मातृगृहादि

दनकनर्षी॥ ३ वायूस्थक्रमनाजाग्रहकनूधामयरहमशुक्रदिशुक्र
 मसीचन्द्रहासा॥ ४ वाठनगमधियगियनायगुसशरवच्चपासवज्र
 घातनकनर्षी॥ ५ वासमीनननाथगङ्गागतवृद्धनैरहगयकगिष्ठं
 तुम्हूनहिदाखं॥ ६ धरुक्रमननाजागद्वलंकायविर्नाथहल
 अग्राहवधरुनकनर्षी॥ ७ वायोदगल्लननचविप्रसकिर्नाथ

माह्लाजयंगुनाजीवंगुशयं॥ ८ वाज्रधुवननववक्रवमविग्र
 खमप्रसिद्धनिरुस्मिवकनर्षी॥ ९ वावृद्धवलनामाज्रहंकाधनाजा
 दसदिगस्मिन्मालशासनकनर्षी॥ १० वावायुविल्लेनावृजगतधमिया
 रगाडानिकूलिसाशीगीतचविगा॥ ११ **वागममाल** ॥ सहस्रद्वय
 संश्रुंयंयममिनायकंरयश्चनलमयंगमधुद्वयंगुक्रातिनूयकं॥ १२

सप्तम
 पत्र
 ॥ ५ ॥

नमामि २ यो वृद्ध धर्म संघ २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ २ ॥
 शिखर वनम ३ यो वृद्ध धर्म संघ २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ ३ ॥
 ३ ॥ श्री काल्यादि २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ ४ ॥
 निजिन नृमिव ॥ ४ ॥ ॥ कृतमश्वादि सिद्धि युष्मादा २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ ५ ॥
 नवो ध्यातार्य गीता ॥ ५ ॥ ॥ **श्यागल** ॥ काल्यादि वलित नृमिव ॥ ६ ॥

मो विष्णु सिद्धि आलिंग भाति निरुता २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ ७ ॥
 नागभर वलित कृतं ॥ ८ ॥ ॥ **श्यागल** ॥ काल्यादि वलित नृमिव ॥ ९ ॥
 पदवर्ध २ विविध विष्णु मधुनं विष्णु कृतं ॥ १० ॥ ॥ **श्यागल** ॥ काल्यादि वलित नृमिव ॥ ११ ॥
 २ ॥ **श्यागल** ॥ काल्यादि वलित नृमिव ॥ १२ ॥
 गमल २ वामखलोग वलित नृमिव ॥ १३ ॥ ॥ **श्यागल** ॥ काल्यादि वलित नृमिव ॥ १४ ॥

ध्यायदुंदरि जूगुत्तसनें विद्वक इला कलालवदनं २ वाघवर्मनिवा
 सनननमन्दमाला जूलिवलिखादनसिद्धिरुलदं ४ वागडानिगु
 वतवकुगुत्तलवधनं इधरावनासनसावतवर्मेश्वरधर्मसासनसंघ
 यनिवकुकणीसाहाकालवपादवावर्ष ५ वागपर्वं जूगुत्ता
 विजुष्टयानकाव २ जूगुत्तागिधिवनं ६ वासिपससिंधुनकंज

रुद्राश्चदविषमभादनमाकुमार्यं॥ २ वानप्रसूतशूचिप्रपातकालश्च
गुप्तवाक्यनशास्त्राणां॥ ३ ॥ कूलवसमाहुर्गुरुलदंश्चकूचिकृति
हानासरुलदं॥ ४ ॥ मत्स्यसिंहसिद्धिरुलदंभादंश्चकूचिकृति
सनीसुवर्णं॥ ५ ॥ **एवमनाक** वानमामिर्किनयश्चधर्मधामुत्तरयंशुश्च
प्रिष्टुवनशूच्यधर्मधामुत्तरयंशुश्च॥ ६ वानमामिर्किनयश्चकिन

नमोस्तु २ दधुमिद्यार्जिं भागशूनरुनलाया ॥ २ ॥ स्तुर्ममध्याता
 लमुवनसंशोकापाग्या २ यउनिर्वकृतमहामधिधवा ॥ ३ ॥ धर्म
 शीमिजुहानधीमिजुं २ नयालमन्दलमास सुयासूवृषी ॥ ४ ॥ वाम
 पूरुकाधनूधवा २ दहिनल्लुखवै धावधामि ॥ ५ ॥ शीला कंध
 वमन्दलमहासूखवाया २ वाजाधिवारुधीनयन्दमलदव ॥ ६ ॥

रविमुकुंजकमरेव ॥ १ ॥

श्रावजाचाश्वबंधुदरुजावार्यरनयिवाकवकुणिवाचनिना ॥ १ ॥
स्वागमावधि ॥ दिमुकुंजकमुखनकवदनी २ मूकठकंठादिगवला
 ॥ २ ॥ मनेताहं शतनामहं हं हं हं ॥ ३ ॥ वामकनामकदहि
 नकवगिशहाडआरुवधसुसाहिता ॥ ४ ॥ शुरीतन्यवमासगांड
 वमसूतिश्वकुमधुगुवाविना ॥ ५ ॥ ॥ सतगुपूचनधार्जिगता